गोवर्धन गिरधारी जी सुधि लेना हमारी ...

गोवर्धन गिरधारी जी, सुधि लेना हमारी
बाँके बिहारी सुधि लेना हमारी,
गोवर्धन गिरधारी जी, सुधि लेना हमारी ।।

मोर मुकुट पीताम्बर सोहे,
कुण्डल की छबि न्यारी जी, सुधि लेना हमारी ।।2।।

जय जय जय श्री कुँज बिहारी,
वृन्दावन के विहारी जी, सुधि लेना हमारी ।।1।।

तुम बिन हमरी कौन खबर ले,
भगतन के हितकारी जी, सुधि लेना हमारी ।।3।।

भरी सभा में द्रोपदी ठाड़ी,
(कहे) राखो लाज हमारी जी, सुधि लेना हमारी ।।4।।

मीरां के प्रभु गिरधर नागर,
आई शरण तिहारी जी, सुधि लेना हमारी ।।3।।

http://www.govindbhargav.in